अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (प्रशिक्षण) द्वारा अकादमी का वार्षिक निरीक्षण

राजस्थान पुलिस अकादमी का वार्षिक निरीक्षण श्री नन्दकिशोर, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (प्रशिक्षण) राजस्थान, जयपुर द्वारा दिनांक 19.05.2017 को किया गया। प्रात: 07:00 बजे उनके द्वारा **क्वार्टर गार्ड** पर गार्ड का निरीक्षण किया गया, जहॉ 02 हैड कॉस्न्टेबल एवं 11 कॉस्न्टेबल की गार्ड ने पूर्ण ड्रिल के साथ सलामी देकर उनका अभिवादन किया। क्वार्टर गार्ड निरीक्षण के पश्चात् परेड ग्राउड नम्बर एक पर पधारे तथा वहॉ पर **परेड अभ्यास, राइफल अभ्यास, यू.ए.सी.** का प्रदर्शन तथा ऑख पर पट्टी बॉध कर **हथियारों को खोलने एवं जोड़ने** का अभ्यास देखा। महिला कॉस्न्टेबल प्रशिक्षुओं ने यू.ए.सी. का शानदार प्रदर्शन किया। सिन्क्रोनाईज अभ्यास में 07 महिला कॉस्न्टेबल प्रशिक्षुओं ने दिमाग एवं बॉडी के शानदार संतुलन का परिचय दिया, वहीं पिंकी ने ऐलबो से, मंशा ने नाईफ कट हाथ से, रीनु ने सिर से एवं शिमला ने पंच से टाइल तोड़कर अपनी मजबूती एवं फौलादी इरादों का परिचय दिया। सुमन एवं सुशीला ने जलती हुई रिंग में से जम्प कर अपनी निर्भयता दिखाई वहीं सुमन, रसीला, सुजीत एवं सुशीला ने थ्रोज एवं संजु, हंसा, विनोद एवं मंशा ने फाईटिंग में अटैक एवं डिफेंस का शानदार प्रदर्शन किया। इस क्रम में लोहे के पाइप पर रत्नी ने शीर्षासन किया तो अंजु ने चक्रासन किया एवं हंसा ने उसके पेट पर खड़ी होकर सैल्यूट कर अपने शारीरिक संतुलन एवं फिटनेस का परिचय दिया। ऑखों पर काली

पट्टी बांध कर केसर, गुड्डी एवं मंजु तथा हेमा एवं बीना ने दो मिनट से कम समय में इन्सास, ए.के. 47 एवं पिस्टल को खोल कर जोड़ने के अभ्यास का शानदार प्रदर्शन किया।

परेड ग्राउड नम्बर दो पर अलग-अलग निरीक्षक पुलिस की प्लाटूनों द्वारा किये जा रहे कार्य अर्थात् ड्रिल, नाकाबन्दी एवं कार्बाइन खोलने एवं जोड़ने का अभ्यास देखा। परेड ग्राउड दो के पास स्थित बैण्ड स्कूल का भी उन्होंने निरीक्षण किया तथा ब्रास बैण्ड एवं पाईप बैण्ड द्वारा दिये गये डेमो का प्रदर्शन देखा। ब्रांस बैण्ड द्वारा तेज चाल से 'कदम से कदम बढ़ाए जा' एवं 'सारे जहां से अच्छा' तथा धीरे चाल से सी.पी.ओ. एवं खड़े-खड़े 'ऐ मेरे वतन के लोगों' तथा 'धरती धोरां री' की शानदार धुने बजाकर सुनाई वहीं पाइप बैण्ड ने तेज चाल में 'हाईलेण्ड लेडी' एवं 'इण्डिया गेट' तथा धीरे चाल से 'स्काई बोट' धुनों का प्रदर्शन किया।

इण्डोर फाईरिंग रेंज पर उप निरीक्षक प्रशिक्षु इण्डक्शन द्वारा की जा रही 9 एम.एम. कार्बाइन की फाईरिंग का निरीक्षण किया जहॉ श्री घासी राम, उप निरीक्षक प्रशिक्षु ने 4x2'' रेक्टेंगल पर पूरी पॉच गोलियॉ दाग कर 20 में से 20 अंक प्राप्त किये। इण्डोर फाईरिंग रेंज के पश्चात् अकादमी स्थित रिसाला के रख-रखाव तथा घुड़सवारों द्वारा किये गये विभिन्न प्रकार के जम्प एवं ड्रेसाज का अवलोकन किया, जहॉ श्री जितेन्द्र, श्री मुकेश एवं श्री बबलू राम का शो जम्पिंग अभ्यास तथा श्री मंगेज सिंह एवं श्री महेश कुमार का ड्रेसाज का प्रदर्शन देखा।

रिसाला के पश्चात् उनके द्वारा सिम्यूलेटर पर ए.के. 47 का फायरिंग अभ्यास देखा गया। उनके द्वारा अकादमी भ्रमण के तहत पुलिस केन्टीन, हॉस्पिटल एवं माही हॉस्टल, अरावली हॉस्टल आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये गये। पुलिस कल्याण से जुड़ी सेवा संकुल की गतिविधियों का भी जायजा लिया गया तथा वहॉ संचालित महिला कल्याण केन्द्र, क्रेश एवं एकलव्य अध्ययन केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया तथा पुलिस कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं में नव युवकों एवं किशोरियों को अधिकाधिक संख्या में जोड़ने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रीष्मावकाश में सेवा संकुल की महिलाओं एवं किशोरियों को राजस्थान पुलिस अकादमी की साइबर लैब में दिये जाने वाले कम्प्यूटर प्रशिक्षण में अधिकाधिक संख्या में किशोरियों एवं बालिकाओं को जोड़ने के अकादमी के प्रयासों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण ने अकादमी की इण्डोर शाखा का निरीक्षण करते हुए पुलिस निरीक्षक पी.सी.सी. एवं महिला कॉन्स्टेबल रिक्रुट की कक्षाओं का निरीक्षण भी किया। प्रत्येक कक्षा में लगभग दस मिनट रूककर उन्होंने कक्षा में अध्यापन के स्तर एवं विषय वस्तु को भी परखा। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से अध्यापन देखा तथा प्रशिक्षुओं से भी बात कर विषय वस्तु पर उनके अधिगम के स्तर को परखा। कक्षाओं में उन्होंने प्रशिक्षकों को सुझाव भी दिये।

निरीक्षण के दौरान उन्हें राजस्थान पुलिस अकादमी पर एक पावर पांइट प्रजेन्टेशन के माध्यम से अकादमी में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं आधारभूत सुविधाओं की जानकारी दी गई। इसके पश्चात् उन्होंने अकादमी के इण्डोर एवं आउटडोर फैकल्टी के साथ विमर्श सत्र भी रखा। विमर्श सत्र में उन्होंने अकादमी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बात करते हुए प्रशिक्षण के स्तर में और अधिक सुधार के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के पुनरावलोकन के संबंध में भी वार्ता की तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित किये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य पुलिसकर्मियों को पुलिस कार्य के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण में अब अपेक्षित सुधार आने लगे हैं। अब विभिन्न स्तरों से पुलिस प्रशिक्षण के लिए मांग आने लगी है। उन्होंने बताया कि पुलिस का प्रमुख कार्य देश की आन्तरिक सुरक्षा बनाये रखना है। किसी देश का विकास उस देश की आन्तरिक सुरक्षा पर निर्भर करता है। इस प्रकार एक पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दक्षता की पुलिस कार्य में आवश्यकता है, अभी भी उसमें अत्यधिक सुधार की गुंजाइश है। पुलिस की दक्षता के लिए प्रभावी प्रशिक्षण ही एक मात्र माध्यम है तथा हमें अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा पुलिस प्रशिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए लगानी चाहिए। प्रशिक्षण में उन्होंने दीर्घकालीन प्रभावों को ध्यान में रखने पर बल दिया तथा प्रशिक्षण में नवाचार एवं आधुनिक गैजट्स के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान आयोजित **'सम्पर्क सभा'** के माध्यम से पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का आह्वान करते हुए तनाव मुक्त रहने की विधाओं को सीखने पर बल दिया तथा तनाव से बचने के लिए गलत कार्यों से बचने के लिए भी कहा। उन्होंने जन सेवा का महत्व बताते हुए किसी की मदद करने पर मिलने वाली खुशी का महत्व बताया। उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण के पुलिस संगठन पर **प्रभाव मूल्य (Impact Value)** के बारे में बताया तथा कहा कि अगर आप सक्षम है तब ही आप अन्य लोगों को सक्षम बना सकते हैं। उन्होंने पुलिस कार्य को अत्यन्त पवित्र कार्य बताया तथा अच्छे प्रशिक्षण के माध्यम से सम्पूर्ण पुलिस विभाग में सार्थक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अकादमी की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण भी किया जिसमें साइबर लैब, यूनिसेफ के सौजन्य से संचालित सेन्टर फॉर जेन्डर स्ट्डीज एवं सोशल डिफेन्स, आरपीएस क्लास रूम, आईपीएस क्लास रूम, सीसीटीएनएस लैब एवं विभिन्न कान्फ्रेंस हॉल शामिल थे। उन्होंने अकादमी की विभिन्न शाखाओं के रिकार्ड संधारण का निरीक्षण करते हुए संबंधित को आवश्यक निर्देश भी दिये।

निरीक्षण के अन्त में उन्होंने पुलिस निरीक्षक के पॉच दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्रशिक्षण के समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित किया तथा उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किये।